SAMPLE QUESTION PAPER - 2
SUBJECT- Hindi A (002)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जो लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए बाहरी हालातों को जिम्मेदार ठहराते हैं, वे लोग या तो गलती हैं या हालात से डरते हैं। वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं। वे या तो आलसी हैं या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो। यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोई हुई हों अर्थात् मेल खाती हों। ऐसा कदापि संभव नहीं है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो बहुत कम समय के लिए, केवल तब तक, जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती, क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएंगी। हालातों को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता, क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी सफलता की जिम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों।

(i) किस तरह के लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं रहता है?

i. अकर्मण्य व आलसी लोग
ii. हालात को जिम्मेदार ठहराने वाले लोग
iii. जीवन को न समझने वाले लोग
iv. जीवन को खुलकर जीने वाले लोग

क) कथन ii सही है

ख) कथन i, ii व iv सही हैं

ग) कथन i, व iii सही हैं

घ) कथन i, ii, व iii सही हैं

(ii) खोटी नीयत वाला व्यक्ति इस संसार में क्यों नहीं टिक पाता?

क) अवगुणों के कारण

ख) गलत नीयत या नीति के कारण

ग) समय अभाव के कारण

घ) अदारता के कारण

(iii) असफलता के लिए किसे जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं माना गया है?

क) काबिल व्यक्ति को

ख) हालातों को

ग) ईश्वर को

घ) प्रकृति को

(iv) लेखक ने नीति की जननी किसे कहा है?

क) व्यवहार को

ख) नीयत को

ग) समय को

घ) सोच को

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): जीवन का असली आनंद विषम परिस्थितियों में ही मिलता है।
कारण (R): जो व्यक्ति विषम परिस्थितियों में हार न मानकर उसका सामना करता है, वह निश्चित रूप से सफलता को प्राप्त करता है।

क) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को

सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।
- रामधारी सिंह दिनकर

(i) परिश्रमी व्यक्ति सफलता के बारे में क्या मानते हैं?

i. भाग्य में लिखी होने पर ही सफलता मिलती है।
ii. कर्म करने पर ही सफलता मिलती है।
iii. परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।
iv. भाग्य पर भरोसा न करने वाले व्यक्ति को ही सफलता मिलती है।

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन i व iii सही हैं
ग) कथन ii व iv सही हैं
घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) धरती और आकाश किसके कारण झुकने को विवश हुए हैं?

क) आँधी के कारण
ख) भाग्य के कारण
ग) परिश्रम के कारण
घ) तूफ़ान के कारण

(iii) काव्यांश में निहित संदेश क्या है?

क) भाग्य और परिश्रम का त्याग करना।
ख) भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
ग) परिश्रम का सहारा त्याग कर भाग्य पर भरोसा करना।
घ) भाग्य और परिश्रम का सहारा लेना।

(iv) **नर-समाज** में कौनसा समास है?

क) द्वंद्व समास
ख) द्विगु समास
ग) अव्ययीभाव समास
घ) तत्पुरुष समास

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): भाग्यवादी व्यक्ति सदा अपने भाग्य को ही दोष देता रहता है।

कथन (R): भाग्यवादी मनुष्य अपने लक्ष्य में कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) किस शब्द में दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग किया गया है? **[1]**

क) सम्मानित

ख) जादूगर

ग) चिरस्मरणीय

घ) शीतलता

(ii) **पवित्र** शब्द में कौन-सा प्रत्यय है? **[1]**

क) पव

ख) त्र

ग) इत्र

घ) वित्र

(iii) **निराधार** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) नि

ख) निरा

ग) नीरा

घ) निर्

(iv) **निर्जीव** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? **[1]**

क) नी

ख) निर्

ग) नि

घ) न

(v) **निश्चल** शब्द में कौन-सा उपसर्ग लगा है? **[1]**

क) निः

ख) निर्

ग) निश्

घ) निस्

4. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) लोग **<u>नवग्रह</u>** की पूजा करते हैं। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए- **[1]**

क) द्वंद्व　　　　ख) बहुव्रीहि

ग) तत्पुरुष　　　　घ) द्विगु

(ii) जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, _______ कहलाता है। [1]

क) अव्ययीभाव समास　　　　ख) बहुब्रीहि समास

ग) तत्पुरुष समास　　　　घ) द्वंद्व समास

(iii) **शोकाकुल** समस्तपद का विग्रह होगा: [1]

क) शोक में आकुल　　　　ख) शोक के आकुल

ग) शोक में कुल　　　　घ) शोक से आकुल

(iv) **क्रोधाग्नि** समस्त पद कौन-से समास का उदाहरण है? [1]

क) द्वंद्व　　　　ख) कर्मधारय

ग) बहुव्रीहि　　　　घ) अव्ययीभाव

(v) देशांतर में कौन-सा समास है? [1]

क) बहुव्रीहि　　　　ख) द्विगु

ग) कर्मधारय　　　　घ) तत्पुरुष

5. **निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) जहाँ एक वाक्य दूसरे वाक्य की संभावना पर निर्भर हो, उसे कौन-सा वाक्य कहते हैं? [1]

क) विस्मयादिबोधक वाक्य　　　　ख) आज्ञावाचक वाक्य

ग) संकेतवाचक वाक्य　　　　घ) निषेधवाचक वाक्य

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए-
अरे! यह चोट कैसे लगी। [1]

क) विस्म्यादिवाचक　　　　ख) संकेतवाचक

ग) आज्ञावाचक　　　　घ) प्रश्नवाचक

(iii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए-
भगवान करे तुम्हारी नौकरी लग जाए। [1]

क) प्रश्नवाचक | ख) इच्छावाचक

ग) संकेतवाचक | घ) निषेधवाचक

(iv) अर्थ की दृष्टी से वाक्य भेद बताइए- [1]
क्या आपका भाई आपसे मिला?

क) विधानवाचक वाक्य | ख) प्रश्नवाचक वाक्य

ग) आज्ञावाचक वाक्य | घ) संदेहवाचक वाक्य

(v) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
खुश रहो बेटा, मै जाता हूँ।

क) संकेतवाचक | ख) आज्ञावाचक

ग) इच्छावाचक | घ) विधानवाचक

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- [1]
रघुपति राघव राजा राम

क) अनुप्रास अलंकार | ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार | घ) उपमा अलंकार

(ii) **निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-** [1]
केकी रव की नुपुर ध्वनि सुन, जगती जगती की मूक प्यास।

क) उपमा अलंकार | ख) रूपक अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार | घ) यमक अलंकार

(iii) **सिंधु सा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का उत्साह।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) श्लेष अलंकार | ख) रूपक अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार | घ) प्रतीप अलंकार

(iv) **भवसागर** में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) अनुप्रास | ख) रूपक

ग) उपमा
घ) यमक

(v) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- [1]

दीरघ साँस न लेइ दुख, सुख सांई मति भूल।
दई दई क्यों करत है, दई दई सु कबूल।।

क) रूपक
ख) श्लेष
ग) उपमेय
घ) यमक

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

रात को जब बालिका रोटियाँ खिलाकर चली गई, दोनों रस्सियाँ चबाने लगे, पर मोटी रस्सी मुँह में न आती थी। बेचारे बार-बार ज़ोर लगाकर रह जाते थे।
सहसा घर का द्वार खुला और वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछें खड़ी हो गईं। उसने उनके माथे सहलाए और बोला-खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ लोग मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए। उसने गराँव खोल दिया, पर दोनों चुपचाप खड़े रहे। मोती ने अपनी भाषा में पूछा-अब चलते क्यों नहीं? हीरा ने कहा-चलें तो, लेकिन कल इस अनाथ पर आफत आएगी। सब इसी पर संदेह करेंगे। सहसा बालिका चिल्लाई- दोनों फूफावाले बैल भागे जा रहे हैं। ओ दादा! दादा ! दोनों बैल भागे जा रहे हैं, जल्दी दौड़ो।

(i) छोटी लड़की बैलों को क्या खिलाने आती थी?

क) खल-चोकर
ख) हरा-हरा चारा
ग) चावल
घ) रोटियाँ

(ii) छोटी लड़की को देखकर हीरा-मोती ने कैसा व्यवहार किया?

क) उसके सामने सिर झुकाकर खड़े रहे
ख) दोनों प्रेमपूर्वक उसका हाथ चाटने लगे
ग) दोनों बैल पूँछें खड़ी करके खड़े हो गए
घ) सभी

(iii) छोटी लड़की ने घर में क्या सुन लिया था?

क) दोनों बैलों की नाक में नाथ डालने की बात हो रही थी
ख) दोनों बैलों को आज से दाना-चारा नहीं दिया जाएगा
ग) दोनों बैलों को कसाई को बेच दिया जाएगा
घ) दोनों बैलों को प्रतिदिन पीटा जाएगा

(iv) छोटी लड़की द्वारा बैलों को खोलने का क्या कारण था?

क) वह बैलों को बेचना चाहती थी

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) वह बैलों को भगाकर घरवालों से बदला लेना चाहती थी

घ) बैलों के प्रति उसमें दयालुता व प्रेम भाव था

(v) छोटी लड़की द्वारा बैलों को खोलने पर भी वे क्यों नहीं भागे?

क) सभी

ख) उन्हें डर था कि परिवार वाले लड़की के साथ मारपीट करेंगे

ग) छोटी लड़की ने बैलों के प्रति स्नेह प्रकट किया था

घ) उन्हें डर था कि सब लड़की पर संदेह करेंगे

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** [2]

(i) सालिम अली कौन-से वैज्ञानिक थे? [1]

क) पशु

ख) पक्षी

ग) मानव

घ) वनस्पति

(ii) 'प्रेमचंद के फटे जूते' निबंध में प्रेमचंद जी की व्यंग्य मुस्कान लोगों की किस मानसिकता पर प्रहार है ? [1]

क) राजनीतिक हित साधने वाली मानसिकता

ख) दिखावा व समझौतावादी मानसिकता

ग) धार्मिक अंधभक्ति वाली मानसिकता

घ) धन लोलुपता व स्वार्थी मानसिकता

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।
मुकताफल मुकता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं।

(i) यहाँ मानसरोवर का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है?

क) समुद्र के रूप में

ख) एक पवित्र झील के रूप में

ग) एक पवित्र झील के रूप में और पवित्र मन के रूप में दोनों

घ) पवित्र मन के रूप में

(ii) मानसरोवर में हंस क्या कर रहे हैं?

क) इनमें से कोई नहीं　　　　　ख) झील के जल को पीने में मग्न हैं

ग) झील के कपर उड़ रहे हैं　　　　　घ) दिन-रात कीड़ामश्न है

(iii) पद्योश में हंस किसका प्रतीक है?

क) जीवात्मा का　　　　　ख) समय का

ग) एक पक्षी का　　　　　घ) मृत्यु का

(iv) हंस मानसरोवर छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहता?

क) क्योंकि उसे कहीं और मोती नहीं मिलेंगे　　　　　ख) वह उड़ने में असमर्थ है

ग) क्योंकि क्रीड़ा का ऐसा आनंद उसे कहीं और नहीं आएगा　　　　　घ) वह अपनी जन्मभूमि को छोड़कर नहीं जाना चाहता

(v) भक्ति भावना की चरम अवस्था क्या है?

क) आत्मा का परमात्मा में मिलन　　　　　ख) भक्ति में लीन हो जाना

ग) परमात्मा के दर्शन होना　　　　　घ) मन की पुकार का सुना जाना

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **ग्राम श्री** पाठ के अनुसार आम के पेड़ों की शाखाओं का बौर किस रंग का है? **[1]**

क) लाल-सफेद　　　　　ख) लाल-पीला

ग) पीला-सफेद　　　　　घ) सोना-चाँदी

(ii) अगर नन्हें बच्चों को बचपन की सारी सुविधाएँ न मिलें तो उनका जीवन कैसा होगा? **[1]**

क) कष्टमय　　　　　ख) निरर्थक

ग) गंभीर　　　　　घ) आनंदपूर्ण

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) नेपाल से होकर तिब्बत जाने वाले रास्ते में जगह-जगह फौजी चौकियाँ क्यों बनी थीं? **[2]**

(ii) आपने प्रेमचंद के फटे जूते व्यंग्य पढ़ा। इसे पढ़कर आपको लेखक हरिशंकर परसाई की कौन सी बातें आकर्षित करती हैं? [2]

(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान ने महादेवी की काव्य-प्रतिभा निखारने में किस प्रकार योगदान दिया? [2]

(iv) **उपभोक्तावाद की संस्कृति** पाठ के आधार पर आजकल कौन-सी नई जीवन-शैली आ गई है? इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है? [2]

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) कवयित्री ललद्यद ने ईश्वर का निवास कहाँ बताया है? [2]

(ii) **मेघ आए** कविता की भाषा सरल और सहज है- उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए? [2]

(iii) कवि ने कोयल को बावली क्यों कहा है? [2]

(iv) एक लकुटी और कामरिया पर कवि रसखान सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है? [2]

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** [8]

(i) अच्छा है, कुछ भी नहीं। कलम थी वह भी चोरी चली गई। अच्छा है, कुछ भी नहीं-मेरे पास। -मूवी कैमरा टेप रिकॉर्डर आदि की तीव्र उत्कंठा होते हुए भी लेखक ने अंत में उपर्युक्त कथन क्यों कहा? इस जल प्रलय में पाठ के अनुसार बताइए। [4]

(ii) **मेरे संग की औरतें** पाठ के आधार पर अपनी परदादी के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं से लेखिका प्रभावित थी? अपने शब्दों में लिखिए। [4]

(iii) लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज के युग में भी अभिशाप क्यों समझा जाता है? **रीढ़ की हड्डी** पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए। [4]

14. **अनुशासन क्यों?** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

- अर्थ
- आवश्यकता
- प्रभाव

अथवा

बेरोज़गारी : एक समस्या विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बेरोज़गारी क्या है?
- समस्या क्यों?

◦ समस्या सुलझाने के उपाय

अथवा

कोरोना काल के सहयात्री विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

◦ कोरोना महामारी का आरंभ और प्रसार

◦ गत दो वर्षों में जीवन का स्वरूप

◦ जीवन-यात्रा में साथ देने वाले व्यक्ति और वस्तुएँ

15. अपने जन्मदिन पर मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

पी. वी. सिंधु को पत्र लिखकर रियो ओलंपिक में उनके शानदार खेल के लिए बधाई दीजिए और उनके खेल के बारे में अपनी राय लिखिए।

16. **जैसी करनी वैसी भरनी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आप जुबैर आलम/जोया मलिक हैं। हाल ही में आपने एक प्रतिष्ठित वेबसाइट से कुछ कपड़ें मँगाए थे। उन कपड़ों में कई समस्याएँ हैं पर अब वह वेबसाइट उसे वापस नहीं ले रही। इस पूरी समस्या को स्पष्ट करते हुए उस वेबसाइट के उपभोक्ता संपर्क विभाग को लगभग **80** शब्दों में ईमेल लिखिए।

17. यात्री और बस चालक के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **[4]**

अथवा

विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

Answers

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जो लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए बाहरी हालातों को जिम्मेदार ठहराते हैं, वे लोग या तो गलती हैं या हालात से डरते हैं। वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं। वे या तो आलसी हैं या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो। यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोई हुई हों अर्थात् मेल खाती हों। ऐसा कदापि संभव नहीं है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो बहुत कम समय के लिए, केवल तब तक, जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती, क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएंगी।

हालातों को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता, क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी सफलता की जिम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों।

(i) **(घ)** कथन i, ii, व iii सही हैं

व्याख्या: गद्यांश के अनुसार जो लोग जीवन के गतिरोध के लिए हालात को जिम्मेदार ठहराते हैं, जीवन को समझ नहीं पाते तथा आलसी व अकर्मण्य होते हैं, उन लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं रहता है।

(ii) **(ख)** गलत नीयत या नीति के कारण

व्याख्या: खोटी नीयत वाला व्यक्ति इस संसार में गलत नीयत या नीति के कारण नहीं टिक पाता है, क्योंकि जब उस तक उसकी नीयत सही नहीं होगी तब तक समाज में उसका कोई स्थान नहीं होगा।

(iii) **(ख)** हालातों को

व्याख्या: असफलताओं के लिए हालातों को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है, हालात तो उसके लिए भी वहीं होते हैं जो सफलता प्राप्त करते हैं।

(iv) **(ख)** नीयत को

व्याख्या: नीयत को लेखक ने नीति की जननी नीयत को कहा है। जब जननी (नीयत) में ही दोष होगा तो संतान (नीति) में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएगी।

(v) **(ग)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

व्याख्या: गद्यांश की अंतिम पंक्ति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जीवन का असली आनंद तब है जब परिस्थितियाँ विषम हों। विषम परिस्थितियों में व्यक्ति की वास्तविक पहचान होती है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से
यदि विधि अंक प्रबल हैं,
पद पर क्यों न देती स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है?
उपजाता क्यों विभव प्रकृति को
सींच-सींच व जल से
क्यों न उठा लेता निज संचित करता है।
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा
भाग्यवाद के छल से।
नर-समाज का भाग्य एक है
वह श्रम, वह भुज-बल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई है;
पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।
- रामधारी सिंह दिनकर

(i) **(घ)** कथन ii, iii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) **(ग)** परिश्रम के कारण
व्याख्या: परिश्रम के कारण

(iii) **(ख)** भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।
व्याख्या: भाग्य का सहारा त्याग कर परिश्रम करना।

(iv) **(क)** द्वंद्व समास
व्याख्या: द्वंद्व समास

(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** शीतलता
व्याख्या: शीतलता (शीत+ल+ता)

(ii) **(ग)** इत्र
व्याख्या: इत्र

(iii) **(घ)** निर्
व्याख्या: निर् + आधार

(iv) **(ख)** निर्
व्याख्या: निर् + जीव
(v) **(घ)** निस्
व्याख्या: निस्

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(घ)** द्विगु
व्याख्या: द्विगु
(ii) **(क)** अव्ययीभाव समास
व्याख्या: अव्ययीभाव समास
उदाहरण- आमरण = आ + मरण
अर्थ- मरण तक
(iii) **(घ)** शोक से आकुल
व्याख्या: शोक से आकुल
(iv) **(ख)** कर्मधारय
व्याख्या: कर्मधारय
(v) **(घ)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष

5. निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ग)** संकेतवाचक वाक्य
व्याख्या: संकेतवाचक वाक्य में एक वाक्य दूसरे वाक्य की संभावना पर निर्भर होते हैं। ये वाक्य केवल मिश्र वाक्य होते हैं।
(ii) **(क)** विस्म्यादिवाचक
व्याख्या: विस्म्यादिवाचक
(iii) **(ख)** इच्छावाचक
व्याख्या: इच्छावाचक
(iv) **(ख)** प्रश्नवाचक वाक्य
व्याख्या: प्रश्नवाचक वाक्य
(v) **(ग)** इच्छावाचक
व्याख्या: इच्छावाचक

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** अनुप्रास अलंकार
व्याख्या: अनुप्रास अलंकार
(ii) **(घ)** यमक अलंकार
व्याख्या: यमक अलंकार

(iii) **(ख)** रूपक अलंकार
व्याख्या: रूपक अलंकार
(iv) **(ख)** रूपक
व्याख्या: 'भव रूपी सागर' रूपक अलंकार।
(v) **(घ)** यमक
व्याख्या: यमक

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
रात को जब बालिका रोटियाँ खिलाकर चली गई, दोनों रस्सियाँ चबाने लगे, पर मोटी रस्सी मुँह में न आती थी। बेचारे बार-बार ज़ोर लगाकर रह जाते थे।
सहसा घर का द्वार खुला और वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछें खड़ी हो गईं। उसने उनके माथे सहलाए और बोला-खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ लोग मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए। उसने गराँव खोल दिया, पर दोनों चुपचाप खड़े रहे। मोती ने अपनी भाषा में पूछा-अब चलते क्यों नहीं? हीरा ने कहा-चलें तो, लेकिन कल इस अनाथ पर आफत आएगी। सब इसी पर संदेह करेंगे। सहसा बालिका चिल्लाई- दोनों फूफावाले बैल भागे जा रहे हैं। ओ दादा! दादा ! दोनों बैल भागे जा रहे हैं, जल्दी दौड़ो।
(i) **(घ)** रोटियाँ
व्याख्या: रोटियाँ
(ii) **(घ)** सभी
व्याख्या: सभी
(iii) **(क)** दोनों बैलों की नाक में नाथ डालने की बात हो रही थी
व्याख्या: दोनों बैलों की नाक में नाथ डालने की बात हो रही थी
(iv) **(घ)** बैलों के प्रति उसमें दयालुता व प्रेम भाव था
व्याख्या: बैलों के प्रति उसमें दयालुता व प्रेम भाव था
(v) **(क)** सभी
व्याख्या: सभी

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-
(i) **(ख)** पक्षी
व्याख्या: सालिम अली पक्षी वैज्ञानिक थे।
(ii) **(ख)** दिखावा व समझौतावादी मानसिकता
व्याख्या: प्रेमचंद जी की व्यंग्य मुस्कान दिखावटी और समझौतावादी मानसिकता पर प्रहार करती है ।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।
मुकताफल मुकता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं।

(i) **(ग)** एक पवित्र झील के रूप में और पवित्र मन के रूप में दोनों
व्याख्या: एक पवित्र झील के रूप में और पवित्र मन के रूप में दोनों

(ii) **(घ)** दिन-रात कीड़ामश्न है
व्याख्या: दिन-रात कीड़ामश्न है

(iii) **(क)** जीवात्मा का
व्याख्या: जीवात्मा का

(iv) **(क)** क्योंकि उसे कहीं और मोती नहीं मिलेंगे
व्याख्या: क्योंकि उसे कहीं और मोती नहीं मिलेंगे

(v) **(क)** आत्मा का परमात्मा में मिलन
व्याख्या: आत्मा का परमात्मा में मिलन

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** सोना-चाँदी
व्याख्या: सोना-चाँदी

(ii) **(ख)** निरर्थक
व्याख्या: कवि के अनुसार, अगर नन्हें बच्चों को बचपन की सारी सुविधाएँ न मिलें तो उनका जीवन निरर्थक होगा, किसी भी बच्चे के लिए ऐसा जीवन कभी आनंदपूर्ण नहीं हो सकता।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) नेपाल से होकर तिब्बत जाने के लिए पहले यही मुख्य मार्ग हुआ करता था। भारत की वस्तुएँ यहीं से तिब्बत भेजी जाती थीं। उन दिनों भारतवासियों को तिब्बत जाने की अनुमति नहीं थी। यह व्यापार के साथ-साथ सैनिक रास्ता भी था, इसलिए इस रास्ते पर जगह-जगह फौजी चौकियाँ बनी थीं।

(ii) इस व्यंग्य को पढ़कर लेखक की निम्नलिखित बातें हमें आकर्षित करती हैं -
i. लेखक ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व को व्यंग्यात्मक शैली में प्रस्तुत किया है।
ii. उन्होंने प्रेमचंद की विशेषताओं से हमें परिचित कराया है।
iii. उन्होंने प्रेमचंद पर व्यंग्य तो किया पर स्वयं को भी इससे दूर नहीं रखा।
iv. लेखक को जीवन की गहरी समझ है उन्होंने सुख-दुःख को निकटता से देखा है।
v. प्रेमचंद की ही भांति लेखक भी सामाजिक बुराइयों के प्रति सजग है।

(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान उम्र में महादेवी वर्मा से बड़ी थीं। वे पहले से ही कविताएँ लिखा करती थीं और कवि सम्मेलनों में जाया करती थीं । महादेवी वर्मा आरंभ में ब्रजभाषा में तुकबन्दियाँ किया करती थीं। एक दिन सुभद्रा जी ने महादेवी वर्मा की लिखी कुछ कविताएँ देख ली ।उन्हें पढ़कर उन्होंने जान लिया कि ये भी कविताएँ लिखती हैं। इसके बाद दोनों साथ-साथ तुकबंदियाँ करने

लगीं। दोनों की कविताएँ 'स्त्री-दर्पण' में छपने लगीं। उनके प्रोत्साहन से महादेवी वर्मा का काव्य-लेखन निखरता गया।

(iv)आजकल एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है, जिसका आधार उपभोक्तावाद का दर्शन है। उपभोक्ता की आवश्यकताओं एवं उसकी मानसिकता को ध्यान में रखकर वस्तुओं का व्यापक पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है। यह मनुष्य को अधिक-से-अधिक शारीरिक एवं मानसिक संतुष्टि देने की कोशिश करता है। यह संस्कृति दिखावटीपन को बढ़ावा दे रही है। इससे मनुष्य का चरित्र एवं उसकी मानसिकता परिवर्तित हो रही है, जिससे उसके व्यक्तित्व पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) कवयित्री ने ईश्वर को सर्वव्यापी बताते हुए उसे हर जगह पर व्याप्त रहने वाला कहा है। वास्तव में ईश्वर का वास हर प्राणी के अंदर है परंतु मत-मतांतरों के चक्कर में पड़कर अज्ञानता के कारण मनुष्य अपने अंदर बसे प्रभु को नहीं पहचान पाता है। इस प्रकार कवयित्री का प्रभु सर्वव्यापी है।

(ii) 'मेघ आए' कविता की भाषा सहज और सरल है। हम प्रस्तुत कविता में इसका उदाहरण पल-पल पाते हैं। हम चाहे 'मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के' का उदाहरण लें या 'नाचती गाती बयार चली' या फिर 'पेड़ झुक झाँकने लगे' का उदाहरण लें। हम इन पंक्तियों में गजब की सहजता और सरलता पाते हैं। यहाँ पर चर्चा की गई पहली पंक्ति में ही हम किसी और के नहीं बल्कि गाँव में मेहमान के आने का इशारा हम 'बन-ठन के' जैसे सहज शब्दों के प्रयोग से पाते हैं। हम 'नाचती गाती बयार चली' जैसे सरल शब्दों के प्रयोग में हम मेघों के आने से पहले ठंडी हवा के बारे में जान जाते हैं। 'पेड़ झुक झाँकने लगे' में हमें मेघों के आने पर पेड़ों के झुमने-झूकने का पता चलता है। कविता में अन्य स्थानों पर भी सहज और सरल भाषा का प्रयोग हम प्रचूर मात्रा में पाते हैं।

(iii)कोयल हो या अन्य पक्षी, उनके कलरव करने का समय दिन या शाम का होता है , रात नहीं। कवि कल्पना करता है कि कोयल भी अंग्रेज़ों के अत्याचार तथा जेल में बंद क्रांतिकारियों की दशा से बहुत दुखी है। उससे यह दुख और नहीं सहा गया इसलिए वह अपने स्वर के माध्यम से असमय अर्धरात्रि में लोगों के मन में संघर्ष की भावना जगाने के लिए चिल्ला रही है इसलिए कोयल की असमय वेदनापूर्ण आवाज सुनकर कवि ने उसे बावली कहा है।

(iv)कवि श्रीकृष्ण का अनन्य भक्त है। वह कृष्ण की हर वस्तु से प्रेम करता है। श्रीकृष्ण गायों को चराते समय यह लकुटी और कामरिया (कंबल) अपने साथ रखते थे। यह लकुटी और कामरिया कोई साधारण वस्तु न होकर कृष्ण से संबंधित वस्तुएँ थीं, इसलिए कवि उन पर सब कुछ न्योछावर करने को तैयार है।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) एक कलाकार होने के कारण लेखक को महसूस हुआ की उन्हें बाढ़ को अपने कैमरे में कैद करना चाहिए। लेकिन उसी समय उन्हें इस बात का भी आभास हो गया कि अगर वे ऐसा करते

हैं तो सिर्फ एक दर्शक बनकर रहे जाएँगे। फिर वो बाढ़ का उस तरह से अनुभव नहीं कर पाएँगे जैसे कर रहे थे। साथ ही शायद उन्हें लोगों का दर्द, चीखें आदि रिकॉर्ड करने के बाद देखना अच्छा ना लगता हो और अपने इस भयावह अनुभव को वो आगे कभी उजागर नहीं करना चाहते। उनकी कलम भी चोरी हो गई थी जिसका शुरू में शायद उन्हें बुरा लगा हो लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि अच्छा ही है कि मेरे पास कुछ नहीं है।

(ii) लेखिका की परदादी लीक से हटकर चलने वालों में से थीं। वे 'अपरिग्रह' के नियम का पालन करते हुए फालतू सामान को दान कर देती थीं। अपनी पतोहू के गर्भवती होने पर उन्होंने मंदिर में जाकर भगवान से लड़की होने की मन्नत माँगकर सबको आश्चर्य में डाल दिया। भगवान ने भी उनकी दुआ से प्रसन्न होकर उनकी बहू को एक के बाद एक पाँच कन्याएँ दे दीं। अपनी इस मन्नत के कारण के संबंध में उन्होंने कभी बताया तो नहीं, लेकिन निश्चित रूप से लड़कियों का समाज में स्वागत-सम्मान होना चाहिए, ऐसा वे चाहती होंगी। उनके व्यक्तित्व की इन्हीं विशेषताओं से लेखिका प्रभावित थी। घर में चोर के घुसने पर उन्होंने बड़ी समझदारी से उससे माँ-बेटे का रिश्ता कायम कर, उसे सुधार दिया और खेती करने के लिए प्रेरित किया।

(iii) लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज के युग में भी अभिशाप इसलिए समझा जाता है, क्योंकि समाज में अब भी 'गोपाल प्रसाद' जैसे व्यक्ति मौजूद हैं जो पुरातनपंथी, रूढ़िवादी मानसिकता के शिकार हैं। उन्हें यह भय सताने लगता है कि यदि लड़कियाँ पढ़-लिख गईं, तो इससे पुरुष वर्चस्व में कमी आ जाएगी। नारी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो जाएगी। लड़कियों के पढ़ने से पुरुष सत्ता का एकाधिकार टूट जाएगा, शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों में साहस का भाव आ जाएगा और तब वे किसी अन्याय के सामने नहीं झुकेंगी। ऐसे लोगों पर पुरातनपंथी मानसिकता हावी है। ये लोग लड़कियों को दूसरे के घर की संपत्ति समझते हैं। लड़कियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं। यह उनकी पुरुषवादी मानसिकता का जीवंत प्रमाण है।

14. अनुशासन शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है-अनुशासन। अनु का अर्थ है - पीछे तथा शासन का अर्थ - नियम। आदेश या नियम का अनुसरण करना ही अनुशासन कहलाता है। अनुशासन सफलता की कुंजी है- यह किसी ने सही कहा है कि अनुशासन मनुष्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक है क्योंकि इससे एक निश्चित समय में, निश्चित क्रिया करके निर्धारित फल प्राप्त किया जा सकता है। लोकतंत्र में सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार है। आज के लोग अपने इस अधिकार का दुरुपयोग अनुशासनहीनता के लिए करते हैं। विद्यार्थी कक्षाओं का बहिष्कार करते हैं तथा आपराधिक व अनैतिक कृत्यों में लिप्त रहकर विद्यालय में अशांति फैलाते हैं। इस प्रकार की अनुशासनहीनता पर नियंत्रण के लिए अनुशासन की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस अनुशासनहीनता पर नियंत्रण नहीं किया गया तो विद्यार्थियों का भविष्य अच्छा नहीं होगा। छात्रों की गुटबंदी न हो उसके लिए अध्यापकों द्वारा नियमित अध्ययन कराना चाहिए। थोड़े-थोड़े अंतराल में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलनों का आयोजन करना चाहिए। इस प्रकार से नियंत्रण करने पर विद्यार्थियों को अनुशासन में रखा जा सकता है। इस अनुशासन का प्रभाव पूरी सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। अतः हमें हमेशा सजग रहना चाहिए। इसलिए हमें इसके लिए सतत् प्रयत्नशील रहना चाहिए जिससे हम विद्यार्थियों को सही दिशा दे सकें जो भावी राष्ट्र का सपना है।

अथवा

बेरोज़गारी : एक समस्या

बेरोज़गारी एक ऐसी समस्या है जो आजकल कई देशों में एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभर रही है। इसका अर्थ होता है कि कुछ लोग जो शादी शुदा होते हैं, पढ़े-लिखे होते हैं और कौशल रखते हैं, भी काम नहीं पा रहे हैं।

इस समस्या के पीछे कई कारण हो सकते हैं। पहला कारण है विपणी की बदलती धारा। आधुनिक तकनीक और व्यवासायिक परिवर्तन के कारण, कई व्यापार और उद्योग अपने प्राथमिकताओं को बदल रहे हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में नौकरियों की कमी हो रही है। दूसरा कारण है शिक्षा के योगदान में कमी। कई लोगों को उच्च शिक्षा की कमी के कारण उनकी कौशल और योग्यता नहीं होती, जिससे वे आधिकारिक क्षेत्र में रोज़गार नहीं पा सकते।

बेरोज़गारी समस्या को सुलझाने के लिए कई उपाय हो सकते हैं। पहला उपाय है उद्यमिता और उद्योग का समर्थन करना। सरकारें उद्योगों के निवेश को बढ़ाने और नौकरियों को बनाने के लिए नीतियों को संशोधित कर सकती हैं। दूसरा उपाय है शिक्षा के प्रसार का समर्थन करना, जिससे लोग अधिक योग्य बन सकें और विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार पा सकें।

समस्या के समाधान में सरकार, सामाजिक संगठन, और व्यवसायिक समुदायों का सहयोग कर सकते हैं। बेरोज़गारी को समझना, उसके कारणों का पता लगाना, और समाधान तैयार करना सभी के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान करने के लिए महत्वपूर्ण है।

अथवा

कोरोना काल के सहयात्री

कोरोना वायरस या कोविड-19 संक्रमण ऐसी बीमारी है, जिसे वैश्विक संगठन द्वारा महामारी घोषित किया गया है। नवम्बर, 2019 में यह चीन की लैब से निकला था। धीरे-धीरे यह वायरस इंसान से इंसान में फैलने लगा। देखते ही देखते इस वायरस ने पूरी दुनिया पर कब्ज़ा कर लिया। अंटार्कटिका जैसे क्षेत्र में भी कोरोना की पुष्टि हुई है। जनवरी 2020 में यह वायरस भारत में पाया गया। 21 मार्च 2020 को पूरे देश में जनता कर्फ्यू लगाया गया था। एक साल बाद यानि 2021 में फिर से कोराना वायरस लगातार बढ़ रहा है।

कोरोना वायरस यह एक ऐसा संक्रमण है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति खांसता, छीकता है या साँस छोड़ता है तो उसके नाक या मुँह से निकली छोटी बूंदों से यह रोग दूसरे में फैल सकता है। इसलिए सरकार द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि बातचीत के दौरान कम से कम 3 फीट की दूरी बनाकर रखें। मास्क भी लगाकर रखें और बार-बार हाथ धोएँ।

कोविड-19 से बचाव के लिए भारत, रूस समेत अन्य देशों ने वैक्सीन जारी की है। भारत द्वारा 2 वैक्सीन का निर्माण किया गया है। कोविशील्ड वैक्सीन, कोवैक्सीन, इस वैक्सीन का उत्पादन भारत में सीरम इन्सटीट्यूट द्वारा किया गया है। कोवैक्सीन, इस वैक्सीन का उत्पादन भारत बायोटिक द्वारा किया जा रहा है।

17 मार्च 2021 के ताजा अपडेट के अनुसार पूरी दुनिया में कुल संक्रमित लोगों का आँकड़ा 1,21,370,336 पहुँच गया है। भारत में कोरोना, वायरस का कुल आँकड़ा 1,14,38,734 तक पहुँच गया है। 1,59,079 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। वर्तमान में इस बीमारी से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाए और मास्क लगाया जाए।

15. मोहित मल्होत्रा,
493 शिव-गणेश अपार्टमेंट
महेश नगर, दिल्ली - 72
दिनांक : ....
प्रिय श्रवण,
स्नेह।
तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि आगामी 15 जनवरी को मैं अपना बारहवाँ जन्मदिन मनाने जा रहा हूँ। इस अवसर पर मेरे घर में एक समारोह का आयोजन किया जाएगा। मैं इस समारोह में भाग लेने के लिए तुम्हें सप्रेम आमंत्रित करता हूँ। समारोह सायं छ: बजे आरंभ होगा। तुम दिन में ही आ जाना । तुम्हारे आगमन से मुझे बहुत प्रसन्नता होगी ।
तुम्हारा अभिन्न मित्र
मोहित

अथवा

654, प्रकाश नगर,
हैदराबाद।
प्रिय पी. वी. सिंधु,
मधुर स्मृति!
बहुत-बहुत बधाई हो सिंधु! मुझे अभी-अभी समाचार-पत्र के माध्यम से यह सूचना मिली, कि तुमने ओलंपिक में महिला एकल मुकाबले में रजत पदक जीता है। मुझे इस सूचना के मिलते ही इतनी प्रसन्नता हुई कि मैं खुशी से उछल पड़ी और दौड़कर मम्मी, पापा को भी ये खुशखबरी सुनायी और सब काम को छोड़कर तुम्हें बधाई लिख रही हूँ। मेरी ओर से तुम्हें हार्दिक बधाई। मेरे मम्मी पापा भी तुम्हें आशीर्वाद भेज रहे हैं। आज समूचा देश तुम्हारी इस सफलता पर गौरवान्वित हो रहा है। ईश्वर करे तुम्हारी खेल प्रतिभा दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि करे। मैं तो यही कहूंगी कि तुम और आगे बढ़ो, और बढ़ो। इस पथ का उद्देश्य यही है श्रांत भवन में टिके रहना। किन्तु पहुँचना उस सीमा पर जिसके आगे राह नहीं।
आपकी सखी,
रोशनी

16. **जैसी करनी वैसी भरनी**

ये उस समय की बात है जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मैं औसत वाला लड़का था। मेरी कक्षा में एक और लड़का था, जो पूरे स्कूल में अव्वल आता था। सारे शिक्षक भी उसकी तारीफ करते रहते थे। उसके प्रति मेरे मन में ईर्ष्या की भावना रहती थी। मैं ऐसे मौके की तलाश में रहता था, जब मैं उसे नीचा दिखा सकूँ। बहुत जल्द ही वो मौका मेरे सामने आ गया। हमारे स्कूल में एक परीक्षा का आयोजन हुआ, इसमें उत्तीर्ण होने वालों को सम्मानित किया जाता और आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृति मिलने वाली थी। मेरी चालाकी से उसके पास से नकल करने का कुछ सामान हमारे शिक्षक को मिल गया और उसे परीक्षा से बर्खास्त कर दिया गया। वहाँ पर तो मैं उत्तीर्ण हो गया, लेकिन बहुत जल्द ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ। जब आगे की परीक्षा में मैं उत्तीर्ण नहीं हो पाया और मुझे उससे बाहर कर दिया गया। तब मुझे ये समझ में आ गया कि हम दूसरों के साथ जैसा करते हैं, हमारे साथ भी वैसा ही होता है।

अथवा

विषय: समस्याओं वाली ऑर्डर के संबंध में

मनोकाम वेबसाइट सपोर्ट टीम,

नमस्ते। मैं जुबैर आलम/जोया मलिक हूँ और हाल ही में मैंने आपकी वेबसाइट से कपड़े खरीदे थे। दुखद है कि उन कपड़ों में कई समस्याएँ हैं, लेकिन अब वेबसाइट वापस नहीं ले रही है। मैं इन समस्याओं का समाधान और उचित विकल्प चाहता हूँ। कृपया जल्दी से जल्दी मेरी मदद करने के लिए संपर्क करें।

आपका धन्यवाद,

जुबैर आलम/जोया मलिक

abx@gmail.com

7982XXXXXX

17. यात्री - भाई। बस कितने बजे चलेगी?

चालक - साढ़े पाँच बजे।

यात्री - लेकिन साढ़े पाँच तो हो गए हैं, फिर देरी क्यों?

चालक - बस चलने ही वाली है।

यात्री - आजकल बसों के चलने का कोई समय नहीं है। आपकी इच्छा से चलती है।

चालक - आप बिना वजह ही मुझसे बहस कर रहे हैं। हमारी बसों का समय है और हम उसी के अनुसार चलते हैं।

अथवा

सूचना

दिनांक ....

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय ऑडिटोरियम में दिनांक - 15/09/20XX को सायं 4 बजे से वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जायेगा। सभी विद्यार्थी विद्यालयी गणवेश में अपने अभिभावकों के साथ आयें। दीप प्रज्वलन लघुनाटिका, नृत्य, गीत-संगीत, पुरस्कार वितरण आदि कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है।

गोविंद वर्मा

(संयोजक)